जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड़
खनिज भवन, उद्योग भवन परिसर, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर–302005
दूरभाष 0141–5192411
Email : jmrc.pro@gmail.com

JAIPUR METRO

दिनांक 24.06.2015

# प्रेस विज्ञप्ति

## जागो ग्राहक जागो

### स्मार्ट यात्री एवं स्मार्ट मेट्रो यात्रा से पहले अपने टिकिट की कीमत स्वयं जाने

गुलाबी नगरी में जयपुर मेट्रो ने अपने यात्रियों की स्मार्ट यात्रा के लिए गुलाबी रंग का विशेष स्मार्ट टोकन/ टिकिट रखा है। एक टोकन से एक यात्री एक तरफा ही यात्रा कर सकता है। प्रत्येक स्मार्ट टोकन के अन्दर एक विशिष्ट नम्बर की इलेक्ट्रोनिक चिप होती है। सभी टोकन बाहर से एक तरह के दिखते हैं, लेकिन टिकिट खिड़की से खरीदते समय, इनमें कम्प्यूटरीकृत मशीन से टिकिट खरीदने का समय एवं किराया राशि चिप में दर्ज हो जाती है। इस टोकन को यात्रा शुरू करने से पहले ऑटोमेटिक प्रवेश गेट के दर्शित निशान पर रखते ही इसमें प्रवेश का समय एवं गंतव्य पर निकास गेट में डालने पर, यदि निर्धारित समय एवं किराये दिये स्टेशन से निकास किया जा रहा है तो, ऑटोमेटिक गेट अपने आप खुलेगें, अन्यथा किसी भी गलती पर निकास नहीं हो सकेगा तथा टोकन वापस रिटर्न होकर, ग्राहक सेवा से पूछताछ हेतु यात्री को निर्देशित करेगा।

टोकन खरीदने से 30 मिनिट के अन्दर स्वचालित टिकिट प्रणाली (एएफसी) प्रवेश गेट से पेड एरिया में यात्रा के लिए एन्ट्री जरूरी है। इसी तरह किसी स्टेशन से प्रवेश करने एवं अन्य स्टेशन से निकास करने के बीच का अन्तराल अधिकतम एक घंटा निर्धारित है, अन्यथा अधिक ठहराव पर दस रूपये प्रति घंटे की पेनल्टी दिये जाने पर ही निकास हो सकेगा। इस हेतु एएफसी से टोकन की चिप में संग्रहित पूरा रिकॉर्ड विश्लेषण होता है।

पहली बार स्मार्ट टोकन से यात्रा करना मेट्रो यात्रियों के लिए एक अनूठा अनुभव है। जहां कुछ यात्रियों को पेड एरिया में एक घंटे से ज्यादा ठहराव एवं कम राशि का टिकिट खरीदकर अधिक दूरी के स्टेशन से निकास पर पेनल्टी देय हुई, वहीं यह भी शिकायत रही कि उनसे टिकिट खिड़की पर ज्यादा कीमत लेकर कम कीमत का टिकिट दिया जा रहा है।

परिचालन एवं प्रणाली निदेशक सी.एस. जीनगर ने बताया कि जयपुर मेट्रो ने ग्राहकों को जागरूक करने एवं मेट्रो यात्रा के लिए एएफसी गेट में एन्ट्री से पहले ही स्वयं ही अपने खरीदे टोकन की कीमत जानने तथा यात्रा के बाद निकास के समय किसी परेशानी से बचने के लिए एक चार स्तरीय लिखित एवं इलेक्ट्रोनिक जानकारी हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सभी मेट्रो स्टेशनों पर मुहैया करा रखी है।

1. टिकिट खिड़की पर चस्पा सिस्टम प्रणाली मेप एवं किराया सूची से अपने शुरूआती स्टेशन से गंतव्य स्टेशन का प्रति यात्री किराया जानें।

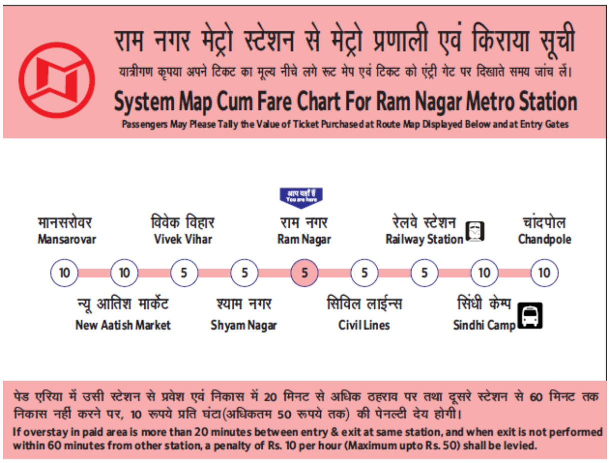


2. टिकिट खिड़की पर टोकन खरीदने की पूरी कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया यात्री को ऑनलाईन यात्री सूचना डिस्प्ले बोर्ड पर दर्शित होती है। डिस्प्ले बोर्ड की पहली सलाईड जयपुर मेट्रो में आपका स्वागत है, दर्शाती है। दूसरी सलाईड विक्रय किये जाने वाले टोकन की संख्या एवं इनकी कुल राशि बताती है। तीसरी सलाईड यात्री द्वारा दी गई राशि एवं इसमें से कुल किराया राशि घटाकर वापसी राशि बताती है। चौथी सलाईड मशीन से टोकन निकलने की प्रक्रिया एवं संख्या दर्शाती है। वहीं पांचवी एवं अंतिम सलाईड में प्रक्रिया पूरी होने के साथ जारी टोकन की संख्या दर्शित होती है, तथा तदानुसार बुकिगं स्टाफ टोकन एवं वापसी राशि यात्री को लौटाता है।

3. यदि इस कम्प्यूटरीकृत टोकन खरीदी प्रक्रिया पर यात्री ने कोई ध्यान नहीं दिया है, तो भी एएफसी गेट में प्रवेश करने से पहले, ग्राहक सेवा केन्द्र पर लगी टिकिट रीड़र मशीन पर टोकन लगाते ही उसे टिकिट का प्रकार, इसका बैलेंस, विक्रय दिनांक एवं टिकिट की स्थिति – प्रवेश सम्भव का पता चल जायेगा।

4. इसके अलावा भी अपने टोकन की यात्रा कीमत जानने के लिए जैसे ही यात्री अपने टोकन को एएफसी प्रवेश गेट पर निर्धारित स्थान पर लगायेगा, तो इसका कोन्टेक्ट होते ही स्टेशन का नाम, दिनांक, टिकिट की वेल्यू, गेट का वर्तमान समय एवं प्रवेश हेतु प्रस्थान हरे तीर के निशान के साथ डिस्प्ले होगा तथा इस गेट के फ्लेप अपने आप खुल जायेगें एवं यात्री बिना देरी के प्रवेश कर सकेगा।

जीनगर ने बताया कि टिकिट बेचने, टिकिट रीड़र एवं ऑटोमेटिक गेट मशीनें विश्वस्तरीय मापदण्डों की है, जो सेमसंग कम्पनी दक्षिण कोरिया से जयपुर मेट्रो की स्वचालित टिकिट प्रणाली के साथ आयातित की गई है। जहां टिकिट/ टोकन मशीन एक मिनिट में 60 टोकन प्रोसेस कर सकती है, वहीं एक मिनिट में अधिकतम 45 यात्री एक ऑटोमेटिक गेट से प्रवेश या निकास कर सकते हैं। इस तरह यात्री चन्द सैकण्डो में, बिना देरी के हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में मेट्रो टिकिट प्रणाली का उपयोग एवं इनसे जानकारी प्राप्त कर सकता है।

जनसम्पर्क अधिकारी